www.wagadsandesh.com

वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-328 सागवाड़ा, गुरुवार, 18 अगस्त, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

असाध्य रोग से लड़ते हुए भी गुरु सेवा में अग्रणी थे नरेंद्र शाह - मुनि पूज्य सागर

गुरुभक्त शाह के अल्पवय में निधन पर देश भर के जैन मुनियों-आर्यिकाओं ने किया शोक व्यक्त

सागवाड़ा। सभी गुरु भगवन्तों और भट्टारकों की सेवा में अग्रणी रहने वाले वागड के सर्राफा व्यवसायी नरेंद्र केसरीमल शाह सागवाड़ा के निधन पर देश भर के जैन मुनियों, भट्टारकों और आर्यिकाओं ने शोक व्यक्त किया है। स्वस्तिश्री भट्टारक देवेंद्रकीर्ति स्वामी, आचार्य सुन्दर सागर, आचार्य सुनील सागर, आचार्य कनकनन्दी, मुनि पूज्य सागर सहित देश भर संतों और आर्यिकाओं ने शाह के निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुनि पूज्य सागर ने कहा कि नरेंद्र शाह की गुरुभक्ति सेवा सबके लिए सदैव अनुकरणीय रहेगी। उन्होंने शाह की पत्नी प्रेरणा शाह को भेजे गए शोक संदेश में लिखा कि नरेंद्र जी ने उन्हें पिता की तरह स्नेह दिया और धर्म आराधना में हर क्षण प्रेरणा प्रदान की और भरपूर सहयोग दिया। क्षुल्लक अवस्था के साथ मुनि बनने एवं उसके बाद भी व्रतों की पालना में उन्होंने अपना हरसंभव योगदान देकर संत सेवा की मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 में क्षुल्लक अवस्था में उन्होंने परिवार सहित जो सेवा की थी, उसी के कारण आज वह महाव्रतों का पालन कर पा रहे हैं। नरेंद्र शाह के पुनीत कार्यों को समाज सदैव याद रखेगा। कर्म और धर्म के प्रति उनका समर्पण सदैव उन्हें जीवंत रखेगा। मुनि पूज्य सागर ने कहा कि शाह ने अपने परिवार में धर्म और संस्कार का जो बीजारोपण किया है, वह वट वृक्ष की भांति समाज को शांति और समृद्धि की छाया देता रहेगा।

मुनि पूज्य सागर की धर्म मां प्रेरणा शाह आदिसागर अंकलीकर महिला जागृति मंच की राष्ट्रीय अध्यक्षा हैं और श्रीफल फाउंडेशन की ट्रस्टी हैं। श्रीफल फाउंडेशन की ओर से भी नरेंद्र शाह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है।

पिछले दो सालों की अपेक्षा डूंगरपुर जिले में अच्छी बारिश, लेकिन बांधो व तालाबो में आया सिर्फ 30 से 50 फीसदी तक पानी

डूंगरपुर। में मानसून सक्रिय है। पिछले दो सालो का रिकॉर्ड तोड़ते हुए इस साल अभी तक अच्छी बारिश भी हुई है। लेकिन डूंगरपुर जिले के कई छोटे बड़े बांध व तालाबो में पानी की आवक बहुत कम हुई है।

वर्तमान में जिले के 3 बाँध की ओवरफ्लो हुए है जबकि 18 बाँध व तालाबो में 30 से 50 तक ही पानी की आवक हुई है। डूंगरपुर जिले में ओसत बारिश करीब 954 एमएम है। इस बार मानसून में अब तक 590 एमएम (24 इंच) बारिश हो चुकी है। ओसत से 62 पर्सेंट बारिश जिले में रिकॉर्ड हो गई है। जो पिछले 2 सालो के मुकाबले ज्यादा है। लेकिन बांधो की स्थिति पर गौर करे तो अच्छी बारिश के बावजूद जिले के कई बांध अब भी खाली पड़े है। इन बांध या छोटे बड़े तालाबों में पानी की आवक बहुत ही कम हुई है।

डूंगरपुर जिले में सिंचाई विभाग के 21 बड़े बांध और तालाब है। जबकि सोम कमला आंबा बांध संभाग का दूसरा सबसे बड़ा बांध है। उदयपुर में अच्छी बारिश की वजह से गोमती नदी और सोम नदी से पानी की आवक हुई और बांध के 4 गेट खोलने पड़े। लेकिन डूंगरपुर जिले में अब तक हुई 590 एमएम बारिश से आकरसोल का नाका 9 मीटर, मेवाड़ा 7.80 मीटर और अमरपुरा 6.40 मीटर की भराव क्षमता वाले ये 3 डेम ही ओवरफ्लो हुए है। जबकि 18 बांध अब भी खाली है। हालत ये है की 9 बांधो में 30 पर्सेंट से भी कम पानी आया है।

बचे हुए बांधो में भी 50 पर्सेंट के आसपास ही पानी है। ऐसे में इन बांधो को भरने में अभी और समय लगेगा।

खाली रहने की वजह

जिले में ओसत से 62 पर्सेंट बारिश अब तक हो चुकी है। बावजूद कई छोटे बड़े बांध और तालाब खाली है। इसके पीछे पहली वजह धीमी बारिश बताई जा रही है। इस बार एक साथ बारिश नही हुई, जिस वजह से पानी बांध तक नही आया। वहीं दूसरी वजह बांध ओर तालाबों में पानी के आवक मार्गो पर अतिक्रमण है। कई लोगो की ओर से पानी आने के मुख्य रास्तों पर ही निर्माण कर दिए है। नदी, नालों को पाट दिया है। जिस वजह से भी पानी बांध या तालाब तक नही पहुंच पा रहा है। बहरहाल डूंगरपुर जिले में अभी तक बारिश तो अच्छी हुई है लेकिन बांधो व तालाबो में पानी की कम आवक सिंचाई विभाग के अधिकारियो के साथ लोगो के लिए भी चिंता का विषय है 7 हालाकि अभी भी डूंगरपुर जिले में मानसून सक्रीय है और उम्मीद है की जल्द ही शेष बाँध व तालाब भी ओवरफ्लो होंगे 7

37 यूनिट रक्तदान कर समझाया रक्तदान का महत्व

थानाधिकारी और पुलिसकर्मी आए आगे

डूंगरपुर। आजादी के अमृत महोत्सव और मोहर्रम को लेकर पुलिस प्रशासन व एमएमबी ग्रुप की ओर से रक्तदान किया गया। एमएमबी ग्रुप के सदर नूर मोहम्मद मकरानी ने 32वी बार रक्तदान किया। वही 37 यूनिट रक्तदान कर लोगों को जिंदगी बचाने के लिए प्रेरित किया गया। एसपी राशि डोगरा, एएसपी अनिल मीणा, नगरपरिषद सभापति अमृत कलासुआ, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. महेश पुकार, उप सभापति सुदर्शन जैन, एमएमबी ग्रुप सदर नूर मोहम्मद मकरानी की मौजूदगी में रक्तदान के लिए कई लोग आगे आए। थानाधिकारी, पुलिसकर्मियों ने मिलकर 37 युनिट रक्तदान किया गया। वही 15 लोगो ने जरूरत पड़ने पर रक्तदान करने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया। एमएमबी ग्रुप के सदर नूर मोहम्मद मकरानी ने 32वीं बार व आसिफ मुल्तानी ने 18वीं बार रक्तदान किया।

एसपी राशि डोगरा ने ग्रुप के इस नेक काम के लिए मुबारकबाद दी।उन्होंने बताया कि रक्तदान एक ऐसा दान जो किसी को नया जीवन दान देता है और इससे समाज में आपसी प्रेम भाव बढ़ता है। एसपी ने लोगो से भी रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। सभापति अमृत कलासुआ ने ग्रुप के कार्यों के सराहना करते हुए बताया कि यह ग्रुप मस्तान बाबा की याद में हमेशा जनहित के कार्यों में आगे रहता है।

ग्रुप की ओर से पुलिस लाइन में पौधरोपण किया गया। एसपी समेत सभी अधिकारियों ने 20 पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। साथ ही पौधो की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए गए। वही कपड़ो को थैलियां देकर प्लास्टिक का यूज नहीं करने के लिए भी प्रेरित किया।

राजस्थान में जन्माष्टमी आज

जयपुर। राधा दामोदर मंदिर, लाड़ली जी का मंदिर, अक्षय पात्र कृष्ण बलराम मंदिर और इस्कॉन मंदिरों में तैयारियां तेज हो गई हैं। गोविंददेवजी मंदिर में 31 तोपों की सलामी के साथ जन्मोत्सव मनाया जाएगा। नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर, जैसलमेर के गिरधारी और बांके बिहारी मंदिर, कोटा के राधा कृष्ण मंदिर, चित्तौड़गढ़ के सांवलिया सेठ मंदिर, जोधपुर के श्याम मनोहर प्रभु मंदिर और बालकृष्ण लाल मंदिर, कुंजबिहारी मंदिर, नागौर के बंशीवाला और मीरा मंदिर, उदयपुर के जगदीश मंदिर में जन्माष्टमी पर्व को लेकर लोग कृष्ण भक्ति में डूबने लगे हैं। कृष्ण जन्मोत्सव आने का उल्लास अभी से लोगों के चेहरे पर दिखाई दे रहा है।

चोरी की 2 बाइक के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार

एक नाबालिग को किया डिटेन, पूछताछ में और भी खुलासे होने की संभावना

डूंगरपुर। डूंगरपुर की चितरी थाना पुलिस ने बाइक चोरी की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही 1 नाबालिग को डिटेन किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की 2 बाइक भी बरामद की है। चितरी थानाधिकारी गोविंदसिंह ने बताया कि जगदीश पुत्र अमृतलाल मकवाणा निवासी जुईतलाई ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसने बताया कि उसकी पल्सर बाइक 11 जुलाई की रात को रोजाना की तरह घर के आगे खुले में रखी थी। दूसरे दिन सुबह 12 जुलाई को घर के बाहर बाइक नहीं मिली।

उसने आसपास बाइक को ढूंढा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो कई सुराग मिले। थानाधिकारी गोविंद सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर आरोपी योगेशचंद्र (20) पुत्र प्रभुलाल बामणिया निवासी पोरडा थाना गढ़ी हाल उदैला थाना अरथूना बांसवाड़ा को गिरफ्तार किया है और उसके साथ वारदात में लिप्त 1 नाबालिग को भी डिटेन किया। पूछताछ करने पर दोनों ने बाइक चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की 2 बाइक बरामद की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिसमें और भी वारदातें खुलने की संभावना है।

नाले में मिला युवक का शव, गुजरात निवासी युवक के रूप में हुई पहचान

डूंगरपुर। जिले के धम्बोला थाना क्षेत्र के वात्रक तालाब के पास नाले युवक का शव पड़ा मिलने पर सनसनी फैल गई। पुलिस ने मृतक युवक की पहचान गुजरात निवासी के रूप में की है। पुलिस ने शव सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

वही पुलिस मामले की जांच में जुटी हैं। डूंगरपुर जिले के धम्बोला थाने के थानाधिकारी हजारीलाल मीणा ने बताया कि थाने पर फोन आया कि थाना क्षेत्र के पाडलिया गांव में वात्रक तालाब के पास नाले में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर थानाधिकारी हजारीलाल मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे। वही शव मिलने की सूचना पर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस ने भीड़ को शव से दूर किया।

इस दौरान पुलिस में मौके पर देखा कि युवक के मुंह से झाग निकल रहे थे। पुलिस ने मृतक युवक की तलाशी ली तो युवक की जेब मे उसका आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड से युवक की पहचान डीटवास गुजरात निवासी 44 वर्षीय कालू पुत्र नवा बामणिया के रूप में की। पुलिस ने मौके से शव को उठवाकर सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। धम्बोला थाने के थानाधिकारी हजारीलाल मीणा ने बताया कि युवक की पहचान होने के बाद गुजरात की डीटवास थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। वही मृतक के परिजनों को सूचना देने के लिए कहा गया है।

थानाधिकारी हजारीलाल ने बताया कि मृतक के परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक के हालातों को देखते हुए प्रथम दृष्टया आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हाईकोर्ट ने 15 दिन में हटाने को कहा, वरना नहीं मिलेगा प्रवेश

अब निजी वाहनों पर नहीं चलेगी लाल पट्टी

जयपुर/जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में अब वाहनों की नंबर प्लेट पर लाल पट्टी लगा लोग अपना स्टेटस नहीं चल पाएंगे। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार ने एक आदेश जारी कर हाईकोर्ट के अधिकारियों, आरएसी के गार्ड व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों से अपने निजी वाहनों की नंबर प्लेट पर लगी लाल पट्टी हटाने को कहा है। इसके लिए पंद्रह दिन की मोहलत प्रदान की गई है। पंद्रह दिन पश्चात ऐसी पट्टी लगे वाहनों को हाईकोर्ट में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

हाईकोर्ट में कार्यरत कई वकील, अधिकारियों व कुछ अन्य लोगों ने अपने निजी वाहनों पर नंबर प्लेट के ऊपर एक लाल रंग की पट्टी लगा उस पर राजस्थान हाईकोर्ट लिखवा रखा है।

11वी कक्षा की नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई

डूंगरपुर। जिले की स्पेशल कोर्ट ने 11वी कक्षा की नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है ।कोर्ट ने दोषी पर 2 लाख 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

पोक्सो कोर्ट के एपीपी योगेश जोशी ने बताया कि 18 अगस्त 2021 को वरदा थाना क्षेत्र निवासी एक नाबालिग छात्रा स्कूल जाने निकली थी। मार्ग में सेलज गांव के हैण्डपम्प के पास गुमानपुरा निवासी दिलीप आया और उसे बहला फुसला कर अपनी बाइक पर बैठा कर ले गया। इसके बाद से पीड़िता अपने घर नही लौटी। परिजन पीड़िता की तलाश कर रहे थे तभी उन्हें पता चला कि पीड़िता गुमानपुरा निवासी दिलीप के घर पर है जिस पर 3 सितंबर को परिजन वहां पहुंचे और सुनीता को लेकर आए। घर लौट कर पीड़िता ने बताया कि दिलीप उसे बहला-फुसलाकर ले गया था और उसने उसके साथ दुष्कर्म भी किया। इसके बाद 15 सितंबर को पीड़िता अपने भाई के साथ वर्धा थाने पर पहुंची और मामला दर्ज कराया मामले की जांच पूरी कर पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया। इसके बाद आज कोर्ट ने दिलीप को दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास और 2 लाख 25 हजार रुपये आर्थिक जुर्माने की सजा सुनाई।

सरकार गिराने का काम कर रहे 200 लोग, भाजपा की टीम में बाउंसर और कार्यकर्ता शामिल, मोदी हॉर्स ट्रेडिंग का नया मॉडल लाए

राजस्थान को हमने बचा लिया, आपके आशीर्वाद से बच गया वर्ना मुख्यमंत्री नहीं रहता:गहलोत

जयपुर/ अहमदाबाद। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधायकों की खरीद-फरोख्त से सरकार गिराने को लेकर BJP और केंद्र सरकार को फिर निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा- मोदी पता नहीं कैसा मॉडल लेकर आए हैं। यह हॉर्स ट्रेडिंग का मॉडल है। आजादी के बाद पहली बार आया है। हॉर्स ट्रेडिंग करके विधायकों को पहले गुड़गांव और मानेसर ले जाया गया। उन्होंने कहा- इनकी 200 लोगों की टीम फिक्स है। इन्हें बाकायदा ट्रेनिंग दी हुई है। इसमें बाउंसर भी होते हैं। इनके कार्यकर्ता भी होते हैं। एक टीम बनाई हुई है, मिस्टर जैन करके कोई एमएलए हैं। वो भी सक्रिय रहते हैं। गहलोत गुरुवार को अहमदाबाद में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा- मध्य प्रदेश के कांग्रेस विधायकों को पहले ले गए तो दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी समझाकर वापस लाए। फिर उन्हें बेंगलुरु ले जाया गया। वहां कांग्रेस विधायकों को 30 से 35 करोड़ रुपए दिए गए। गहलोत ने कहा- केंद्र और भाजपा मैनेजमेंट करके साम, दाम, दंड और भेद करके सरकारें गिरा रहे हैं। दिल्ली में गर्व से सीना चौड़ा करके घूम रहे हैं। गोवा, कर्नाटक, मणिपुर, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में कैसे सरकारें गिराई गईं। राजस्थान को हमने बचा लिया, वरना मैं यहां मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं बैठा होता। मुख्यमंत्री कोई दूसरा ही होता यहां। आपके आशीर्वाद से बच गया हूं। प्रदेशवासियों की दुआएं थीं। विधायकों ने हमारा साथ दिया। 34 दिन तक विधायक बाड़ेबंदी में मेरे साथ बैठे रहे। होटल से बाहर जाते ही पहली किस्त 10 करोड़ की थी। उसे छोड़कर विधायक हमारे साथ बैठे रहे। इतिहास में ऐसा कहीं नहीं सुना होगा। बीएसपी के साथी मुझसे जुड़े। हमने उन्हें आज तक एक रुपए नहीं दिया। ऐसा कभी होता है। निर्दलीय विधायकों ने समर्थन दिया। वे चार साल से साथ दे रहे हैं। यह गुडविल होती है सरकार की। गहलोत ने कहा- गांधी के प्रदेश में मोदी कैसा मॉडल ले आए हैं। जीतने के बाद भी कांग्रेस विधायक को तोड़ा गया, जबकि यहां सरकार गिरने की कोई आशंका ही नहीं थी। 2017 में भी इन्होंने कांग्रेस विधायकों को तोड़ा और 2012 में भी यही किया था। हॉर्स ट्रेडिंग नहीं कर पाते तो चुनाव स्थगित करवा देते हैं। हम कैसे भूल सकते हैं, जब हमारे यहां भी गुजरात के साथ राज्यसभा के चुनाव स्थगित हुए थे। उस वक्त हॉर्स ट्रेडिंग पूरी नहीं हो पाई थी, इसलिए राज्यसभा चुनाव स्थगित करवा दिए थे।